Phones PBX:
(033) 2654-1144
(033) 2654-1180
(033) 2654-9581
(033) 2654-9681
FAX: (033) 2654-4346
Email : rkmhq@vsnl.com
Website : www.belurmath.org

रामकृष्ण मिशन
पो० बेलुड़ मठ, जिला - हावड़ा
पश्चिम बंगाल ७११२०२

२००६-०७ के लिए कार्यकारिणी समिति की रिपोर्ट का सारांश

रामकृष्ण मिशन की **९८वी वार्षिक साधारण सभा** बेलुड़ मठ में १६ दिसम्बर २००७ को अपराह्न ३.३० बजे आयोजित की गयी।

रामकृष्ण मिशन के **१४ वें** अध्यक्ष **स्वामी गहनानन्दजी महाराज** के विगत ४ नवंबर २००७ को हुए **देहावसान** को सदस्यों ने गहरे शोक के साथ याद किया। वे ९१ साल के थे। सुदीर्घ २७ साल तक कोलकाता स्थित सेवा प्रतिष्ठान अस्पताल केन्द्र में रोगी व पीड़ित लोगों के लिए उन्होंने काम किया। भारत और भारतेतर विभिन्न देशों का दौरा कर उन्होंने वेदान्त एवं श्रीरामकृष्ण, श्रीमाँ सारदा देवी और स्वामी विवेकानन्द के संदेश को फैलाने में सक्रिय भूमिका निभाई। उनका निधन संघ के लिए एक बड़ी क्षति है। स्वामी **आत्मस्थानन्दजी महाराज** संघ के **१५ वें** अध्यक्ष नियुक्त हुए।

इस साल **मिशन** ने मध्यप्रदेश में **भोपाल** केन्द्र का एवं कर्णाटक स्थित **बेलगाँव** केंन्द्र के एक उपशाखा केन्द्र का शुभारंभ किया।

चिकित्सा क्षेत्र में इस वर्ष की निम्नलिखित गतिविधियाँ विशेषरूप से उल्लेखनीय हैं :- ईटानगर केन्द्र द्वारा **चलमान चक्षु शल्यशाला**, जम्मू आश्रम में **चिकित्सा-केन्द्र** और जर्मन कुष्ठ निवारण संस्थान के साथ मिलकर पश्चिम बंगाल स्थित कामारपुकुर केन्द्र द्वारा राष्ट्रिय **HIV/AIDS नियंत्रण कार्यक्रम** की शुरुआत।

शैक्षणिक क्षेत्र में इस वर्ष की निम्नलिखित गतिविधियाँ विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं:- विवेकानन्द विश्वविद्यालय द्वारा नरेन्द्रपुर, स्वामी विवेकानन्द पैतृकगृह और राँची (मोराबादी) स्थित शिक्षा-संस्थानो में **स्नातकोत्तर कोर्स व अन्यान्य कार्यक्रम**, बेलुड़ स्थित सारदापीठ केन्द्र के विद्यामंदिर कालेज द्वारा **गणित व संस्कृत विषयों में स्नातकोत्तर कोर्स**, कोयम्बटुर केन्द्र द्वारा **IT Academy, online education** जैसे विभिन्न कार्यक्रम और नरेन्द्रपुर के लोकशिक्षा परिषद द्वारा ११**प्रि-प्राइमरी शिक्षा केन्द्रों** की शुरुआत।

ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के अंतर्गत निम्नलिखित गतिविधियाँ विशेष रूप से उल्लेखनीय है: ईटानगर केन्द्र द्वारा **ग्रामीण स्वच्छता कार्यक्रम**, जम्मू केन्द्र द्वारा जम्मू-कश्मीर **भूकंप आर्थिक पुनर्वास कार्यक्रम** के अंतर्गत नियंत्रण रेखा के पास के इलाकों में **सिलाई प्रशिक्षण केन्द्रों की शुरुआत**, राँची (मोराबादी) केन्द्र द्वारा **फल-वृक्षारोपन, मसालों की खेती, बीज उत्पादन, झरनों के जल से सिंचाई, स्कूल छोड़ चुकी ग्रामीण लड़कियों के लिए आवासीय सेतुबन्धन-शिक्षा कार्यक्रम** आदि, कोलकाता स्थित नरेन्द्रपुर केन्द्र के **लोकशिक्षा परिषद** द्वारा विभिन्न **सामाजिक व आर्थिक विकास कार्यक्रम** जैसे क्षमताविकास, लाख का उत्पादन, नवीनीकरण योग्य उर्जा प्रसार, कृत्रिम गर्भाधान और प्राणी स्वास्थ्य सुरक्षा जैसे विषयों में **व्यावसायिक शिक्षण** जैसे कार्यक्रमों की शुरुआत।

रामकृष्ण मठ के अन्तर्गत इस वर्ष की निम्नलिखित गतिविधियाँ विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं :- गुजरात में **वड़ोदरा** केन्द्र की शुरुआत, राजकोट आश्रम द्वारा कच्छ जिले के धानेटी गाँव में एक **हॉल और छात्रावास** के भवन का उद्घाटन, पश्चिम बंगाल स्थित आँटपुर केन्द्र द्वारा **एक चिकित्सालय भवन** का उद्घाटन, तामिलनाडु के मदुराई केन्द्र द्वारा **नर्सरी और प्राइमरी स्कूल के विस्तारित भवन** का उद्घाटन, पश्चिम बंगाल स्थित कूचबिहार केन्द्र द्वारा **स्वरोजगार कार्यक्रम** की शुरुआत।

भारत के बाहर दो केन्द्र खोले गये वे हैं: अमेरिका स्थित फ्लोरिडा राज्य में **सेंट पीटर्सबर्ग** में रामकृष्ण मठ का एक शाखा केन्द्र, एवं दक्षिण अफ्रिका के **डरबन** में रामकृष्ण मिशन का एक शाखा केन्द्र ।

इस वर्ष के दौरान **मठ और मिशन** ने ३.८७ करोड़ रुपये खर्च करके देश के कई भागों में बृहत तौर पर **राहत तथा पुनर्वास** के कार्य किये जिससे २०२७ गाँवों में रहने वाले १.३० लाख परिवारों के ५.६७ लाख लोग लाभान्वित हुए।

निर्धन छात्रों को छात्रवृत्ति, वृद्ध, बीमार एवं असहाय लोगों को आर्थिक सहायता आदि **कल्याण-कार्यों** में ६.२५ करोड़ रुपये व्यय हुए।

१५ अस्पतालों एवं भ्रम्यमान चिकित्सा-इकाइयों सहित १७३ चिकित्सा-केन्द्रों से ८५.३२ लाख से अथिक रोगियों को **चिकित्सा-सेवा** प्रदान की गयी, जिसके तहत ६१.५५ करोड़ रुपये खर्च हुए।

हमारे शिक्षा-संस्थानों के द्वारा, बाल-विहार से लेकर स्नातकोत्तर स्तर तक, ३.३९ लाख विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान की गयी। **शिक्षा-कार्य** के लिए १११.६० करोड़ रुपये खर्च किये गये।

१८.६२ करोड़ रुपये की लागत पर कई **ग्रामीण एवं आदिवासी विकास-योजनाओं** का भी कार्यान्वयन किया गया।

इस अवसर पर अपने सदस्यों एवं मित्रों के प्रति उनके हार्दिक एवं निरन्तर सहयोग के लिए हम आन्तरिक धन्यवाद एवं कृतज्ञता व्यक्त करते हैं।

स्वामी प्रभानन्द
(स्वामी प्रभानन्द)
महासचिव

१६ दिसंबर २००७